IFFCO

पूर्णतः सहकारी स्वामित्व

प्रिय मित्रो

1 अप्रैल, 2014

अब जबकि यह वित्तीय-वर्ष समापन पर है और हम एक नए वित्तीय-वर्ष में प्रवेश करने जा रहे हैं, आगामी वित्तीय-वर्ष में कुछ बड़ी चुनौतियाँ हमारा इंतजार करती दिख रही हैं। आइए हम वर्ष 2014-15 की ऐसी कुछ चुनौतियों पर नजर डालें।

चुनौतीपूर्ण बाजार परिदृश्य

वर्ष 2013-14 में हमने प्रति कर्मचारी लगभग 7170 मीट्रिक टन की विपणन उत्पादकता के साथ लगभग 96 लाख मीट्रिक टन (एम टी) उर्वरकों (65.4 लाख मीट्रिक टन - यूरिया तथा 30.6 लाख मीट्रिक टन - एनपीके, एनपी, डीएपी और डब्ल्यूएसएफ) की बिक्री की। उल्लेखनीय है कि हमने यह सफलता तेजी से बदलते बाजार परिदृश्य की पृष्ठभूमि में हासिल की है।

आज उर्वरक बाजार दिन-प्रतिदिन प्रतिस्पर्धी होता जा रहा है और उर्वरक क्षेत्र की कंपनियां अपने उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए परंपरागत तरीके छोड़कर नए तरीके अपना रही हैं।

अब समय आ गया है कि हम इस परिवर्तन को अपनाएं और किसानों के बीच अपने उत्पाद के विपणन में पहले से अधिक सतर्क, सक्रिय और पारदर्शी हों। भारत में और विश्व स्तर पर, इफको के उत्पादों को उनकी गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। लेकिन इस कारण हमें संतुष्ट होकर नहीं बैठ जाना चाहिए। बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है और हमें इस चुनौती का सामना दृढ़ निश्चय से करना है।

कर्मचारी, उपकरण और पर्यावरण की सुरक्षा

उत्पादन इफको का महत्वपूर्ण पक्ष है और हमें इस बात पर गर्व है कि आज उर्वरक उत्पादन के क्षेत्र में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संयंत्र हमारे पास हैं। वर्ष 2013-14 में इन संयंत्रों ने प्रति कर्मचारी 1645 मीट्रिक टन की उत्पादकता हासिल की। साथ ही प्रति टन यूरिया के उत्पादन हेतु ऊर्जा की खपत को घटाकर मात्र 5.796 गीगा कैलोरी तक सीमित कर दिया गया है। हमने 44 लाख मीट्रिक टन यूरिया तथा 32 लाख मीट्रिक टन एनपी, एनपीके, डीएपी और डब्ल्यूएसएफ सहित लगभग 76 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का उत्पादन किया है। कम ऊर्जा की खपत के साथ-साथ हमने उत्पादन के तरीकों को भी अधिक कारगर बनाया है।

जब हम अपने उत्पादन कौशल की बात करते हैं तो हमें कर्मचारियों, उपकरणों और पर्यावरण की सुरक्षा जैसे प्रमुख मुद्दों को अवश्य ध्यान में रखना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में कर्मचारियों, उपकरणों और पर्यावरण की सुरक्षा के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए।

कर्मचारियों द्वारा अपनी, अपने साथियों की एवं पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सारी सावधानियां बरतनी चाहिए। हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी उपकरण सही अवस्था में हों ताकि हम पर्यावरण को प्रदूषित किए बिना जिम्मेदारी के साथ अधिक उत्पादन करने में सक्षम हो सकें।

तेजी से बदलता नीतिगत और राजनीतिक माहौल

हर गुजरते दिन के साथ हमारा परिवेश बदल रहा है। जब कभी आप टीवी खोलते हैं या किसी सोशल नेटवर्किंग साइट पर लॉग इन करते हैं, हमेशा कुछ अलग देखने का मिलता है।

जब कभी हम परिवर्तन की बात करते हैं, तो उससे जुड़ी अनिश्चितता की बात जरूर होती है। इस अनिश्चितता और परिवर्तन दोनों का सामना करने के लिए हमें तैयार रहना होगा और खासकर तब जबकि हम अति नियंत्रण वाले क्षेत्र में काम कर रहे हों।

इस बात की पुष्टि वर्ष 2013-14 के हमारे अनुभव से भी होती है जब हमारा कर-पूर्व लाभ घटकर 405 करोड़ रुपये रह गया है। इसका प्रमुख कारण यह रहा कि हमें सरकार ने सब्सिडी देने में असाधारण विलंब किया और साथ ही साथ सहकारी संस्थाओं व महासंघों ने भी हमारे बिकी मूल्य को चुकाने में अत्यधिक देरी की।

हम सरकारी नीतियों को बदल नही सकते लेकिन इन सीमाओं के बावजूद बिना हतप्रभ हुए और भी उत्साह के साथ हम अपने काम को आगे बढ़ाएंगे। भले ही हम अपने कारोबारी माहौल को न बदल सकें, लेकिन इतना तो तय ही है कि भारत के किसान की सेवा के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए परस्पर सहयोग एंव एकजुटता के साथ हम माहौल को अनुकूल बना सकते हैं। हमें विश्वास है कि हम हमेशा की तरह हर प्रतिकूल परिस्थिति को अपने अनुकूल बना लेंगे।

पुनरावलोकन व नया सोच

चार दशक पुराने इस संगठन में कर्मचारी संतुष्टि की दर 90% से अधिक है। हर विभाग में हमारे पास ज्ञान का खजाना है। अतः इफको के हर अनुभवी कर्मचारी से मैं आग्रह करता हूं कि वे अपने साथियों और विशेष रूप से युवा लोगों के साथ अपने ज्ञान और अनुभव का आदान-प्रदान करें और आधुनिकतम तरीकों के साथ संयोजन करते हुए कामकाज को आगे बढ़ाएँ। इस तरह हम सामूहिक रूप से सुधार ला सकते हैं और संगठन में हर छोटी प्रकिया को आकर्षक बना सकते हैं। मित्रो, यह एक जरूरत है, समय की मांग है।

संगठन में सबसे कीमती संसाधन है - ज्ञान, विचार और अनुभव जो आपमें से हर एक ने इफको में रहते हुए पिछले कई वर्षो में अर्जित किया है। इसलिए मैं हर किसी से आग्रह करता हूं कि आपसी जुड़ाव को बढ़ाते हुए और एक दूसरे के साथ इस ज्ञान को साझा करने में अधिक सकियता दिखाते हुए संगठन की उन्नति में योगदान करें।

इस वर्ष हम बजट नियंत्रण के मॉडल पर अपने संस्थान को चलाएंगे। कुछ लोगों को यह अटपटा लग सकता है पर यही एक मार्ग है जिसके माध्यम से हम अपने इफको पर लगातार नजर रख सकते हैं। इसलिए इस पर सबका सहयोग नितान्त जरूरी है।

इसके साथ ही मैं नए वित्तीय वर्ष (2014-15) के लिए आप सभी को शुभकामनाएँ देता हूँ। मैं अपने अध्यक्ष श्री एन पी पटेल, उपाध्यक्ष श्री बी एस नकई और इफको के निदेशक मण्डल के सभी सदस्यों को उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं इफको के सभी कर्मचारियों, इफको कर्मचारी संघ और इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन का भी धन्यवाद करता हूँ। मैं अपने सभी संयुक्त-उद्यमों के भागीदारों, उर्वरक विभाग, कृषि और सहकारिता मंत्रालय के प्रति आभार प्रकट करता हूँ। साथ ही, मैं भारतीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया से समय-समय पर मिलने वाले बहुमूल्य समर्थन और सहायता के लिए उनके प्रति समान रूप से आभारी हूँ।

डा. उदय शंकर अवस्थी
(प्रबंध निदेशक)

वितरण :
इफको के सभी कर्मचारी

प्रतिलिपि :
अध्यक्ष, इफको
उपाध्यक्ष, इफको
इफको के सभी निदेशक
प्रबंध निदेशक, आई पी एल
प्रबंध निदेशक, आई टी जी आई
सी ई ओ, ओमइफको / सी ई ओ, आई सी पी एल /
सी ई ओ, आई के एस एल / सी ई ओ, आई के एस ई ज़ेड
प्रबंध निदेशक, अमेरिकाज पेट्रोगैस इंक
प्रबंध निदेशक, ग्रोमैक्स इंडस्ट्रीज
प्रबंध निदेशक, आई के बी एल
सी ई ओ, जिफको / सी ई ओ, आई एफ एफ डी सी
सी ई ओ, आई सी एस / सी ई ओ, इफको कनाडा
प्रबंध निदेशक, के आई टी
प्रबंध ट्रस्टी, इफको फाउंडेशन / प्रबंध ट्रस्टी आई के एस टी

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड
IFFCO SADAN, C-1, DISTT. CENTRE, SAKET, NEW DELHI
www.iffco.coop
Connect With Us At :
IFFCO live www.iffcolive.com YouTube